Section - 6

Q.2) संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र क्या है?

Ans. एक संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र अन्योन्याश्रित जानवरों, पौधों और सूक्ष्मजीवों और उनके पर्यावरण के स्थायी निवास का प्रतिनिधित्व करता है। संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र प्राथमिक उत्पादकों और शिकारियों के बीच कुशल ऊर्जा और भौतिक साइकलिंग और परस्पर जुड़ाव प्रदर्शित करते हैं। एक संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र में जीवित जीवों का समुदाय पर्यावरण में गैर-जीवित विशेषताओं के साथ बातचीत करता है। पारिस्थितिकी तंत्र की असामान्य विशेषताओं में वर्षा तापमान, परिदृश्य धूप, मिट्टी या जल रासायन और नमी शामिल हैं। एक संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र में जैविक कारकों के प्रकार में प्राथमिक उत्पादक जैसे पौधे, प्राथमिक उपभोक्ता जैसे शाकाहारी, माध्यमिक उपभोक्ता जैसे मांसाहारी, उपभोक्ता जैसे कि मांसाहारी जो पौधों और जानवरों दोनों का उपभोग करते हैं और डिट्रिटिवोरेस, सड़ने वाले कार्बनिक पदार्थ का खाते हैं। जैविक कारक जीवित रहने के लिए अजैविक कारकों पर निर्भर करते हैं। पौधों को पनपने के लिए कुछ तापमान, नमी और मिट्टी की रासायनिक की आवश्यकता होती है। जानवर अपने भोजन के लिए उन पौधों पर भरोसा करते हैं। अतः इसी प्रकार से प्रकृति में संतुलन बना रहता है।